साप्ताहिक

www.noidaviews.com

RNI: UPHIN/2016/70868

नोएडा 07 नवंबर 2022 से 13 नवंबर 2022

वर्ष: 06, अंक: 52

पेज: ०८, मूल्य: ३ रूपया



में मचा धमाल



125 करोड़ रुपए की अतिरिक्त बोली लगाकर खरीदे 45 भूखंड

सफल आवेदकों को आवंटन पत्र जारी किए जाएंगे

दो दिन में 11 भूखंडों के लिए काफी अधिक कीमत तक बोली लगाई गई

नोएडा, संवाददाता।

औद्योगिक भूखंड बेचने के लिए नोएडा प्राधिकरण की ऑनलाइन बोली की प्रक्रिया शुक्रवार को समाप्त हो गई। दो दिन में 45 भूखंडों को लोगों ने रिजर्व प्राइज से अधिक 125 करोड़ रुपये की अतिरिक्त बोली लगाकर खरीदा। अब संबंधित सफल आवेदकों को आवंटन पत्र जारी किए जाएंगे।

नोएडा प्राधिकरण ने 79 औद्योगिक भूखंडों

की योजना निकाली थी जिसमें से 56 भूखंड के लिए तय मानक के तहत आवेदन आए। इन 56 भूखंडों को बेचने के लिए गुरुवार व शुक्रवार को ऑनलाइन बोली की प्रक्रिया की गई। गुरुवार को 34 और शुक्रवार को 22 भूखंडों के लिए ऑनलाइन बोली की प्रक्रिया

नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी अविनाश त्रिपाठी ने बताया कि 56 में से 11 भूखंड के लिए लोगों ने रिजर्व प्राइज से कई गुना अधिक बोली लगाई जो अव्यवहारिक की श्रेणी में आती है। अब इन सभी 56 भूखंडों के सापेक्ष उच्चतम बोली लगाने वालों के पक्ष में आवंटन की प्रक्रिया की

यदि उच्चतम बोली लगाने वाले आवेदकों द्वारा अपनी बोली के अनुसार धनराशि जमा नहीं की जाती है तो आवेदक की ईएमडी ब्रोशर के नियम की शर्तों के तहत जब्त कर ली जाएगी। दोनों दिन 56 में से 49 भूखंड के लिए व्यवहारिक बोली लगाई गई।

इन भूखंडों का रिजर्व प्राइज 107 करोड़ 34 लाख रुपये था जिसके मुकाबले ये भूखंड 233 करोड़ 23 लाख रुपये में बिके। आवेदकों ने रिजर्व प्राइज से करीब 117.28 प्रतिशत अधिक मूल्य की बिड लगाई।

चूक: उपराष्ट्रपति की सुरक्षा में तैनात 15 पुलिसकर्मी गैरहाजिर मिले

दर्ज की गई है।

ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट सेंटर में समापन था। कार्यक्रम में भारत के उपराष्ट्रपति समेत कई केंद्रीय मंत्री शामिल हुए। पुलिस द्वारा किए गए थे। एक्सपो के अंदर और बाहर पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। डीसीपी अभिषेक वर्मा ने उपराष्ट्रपति की सुरक्षा को लेकर ड्यूटी जांच की तो दो थाना प्रभारी, एक आईटी सेल में पोस्टेड निरीक्षक, एक एसआई महिला एसआई, छह हेड कांस्टेबल, चार महिला कांस्टेबल गैर हाजरी पाए गए।

नोएडा-ग्रेनो को आबोहवा में मामूली सुधार से मिली राहत

श्रानिवार को नोएडा का एक्यूआई 357 व ग्रेटर नोएडा का 312 किया गया दर्ज

नोएडा, संवाददाता

हवा की गति बढ़ने के साथ ही शनिवार को नोएडा और ग्रेटर नोएडा के वायु प्रदूषण में मामूली सुधार नजर आया। करीब चार दिन पूर्व सांस रोगियों को प्रदूषण से मामूली राहत मिली, लेकिन उसके बावजूद शहर की आबोहवा अभी भी बेहद खराब श्रेणी में है। शनिवार को नोएडा का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 357 और ग्रेटर नोएडा का 312 दर्जिकया गया, जो सामान्य से छह गुना ज्यादा है। हालांकि, बीते दिन के मुकाबले नोएडा के एक्यूआई में 49 और ग्रेनो में 113 अंक की गिरावट दर्ज हुई हैं। नोएडा देश के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में छठे और ग्रेनो 20वें स्थान पर रहा।

शनिवार को सुबह से ही मौसम साफ रहा। हवा की गति तीन किलोमीटर प्रति घंटा रही। जोकि बीते दिनों एक से दो के बीच चल रही थी। ग्रैप के चौथे चरण की सख्ती के बीच विभिन्न प्रतिबंधों से हवा की सेहत पर भी सकारात्मक असर शुरू हो गया है। वातावरण में प्रदूषित तत्व पीएम-2.5 और पीएम-10 का औसतन स्तर भी 300 से कम ही रहा, जोकि

बीते चार दिनों से 500 था। कार्बन की मात्रा में भी 10 फीसदी तक गिरावट आई है। विभिन्न क्षेत्रों के एक्यूआई पर खासा असर पड़ा हैं। सेक्टर-62 का एक्यूआई 361 रहा, जोिक शुक्रवार को 468 था। नॉलेज पार्क 3 का एक्यूआई 348 दर्ज हुआ, जोकि विगत दिवस 452 था। इसी तरह सेक्टर-1 का एक्यूआई 345 और सेक्टर-114 का एक्यूआई 356 रहा।

अधिकारियों के अनुसार शहर में प्रदूषण इकाईयों पर सख्ती बरती जा रही है। हवा न चलने के कारण दिल्ली व हरियाणा का प्रदूषण नोएडा की हवा खराब कर रहा हैं। दीवाली के बाद से ही देश के सबसे प्रदूषित टॉप 10 शहरों में शुमार ग्रेटर नोएडा, शनिवार को 20वें स्थान पर पहुंच गया। धरातल पर प्रदूषण के प्रभाव को कम करने के लिए उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और नोएडा प्राधिकरण की 14 टीम लगातार निरीक्षण कर उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

चार दिन बाद मिली राहत

दो नवंबर के बाद से ही अचानक नोएडा व ग्रेनो के एक्यूआई में बढ़ोत्तरी हुई, जोकि 336 से उठकर 425 तक पहुंची। हवा की सेहत बिगड़ने के साथ ही यूपीपीसीबी ने ग्रैप के तहत नियमों का सख्ती से पालन करते हुए चौथे चरण की योजना लागू कर दी।

मिले। इन पर कार्रवाई कर सभी की गैरहाजिरी ग्रेटर नोएडा, संवाददाता।शहर एक्सपो मार्ट

में शनिवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की सुरक्षा को लेकर पुलिस की बड़ी चूक सामने आई है। ग्रेटर नोएडा डीसीपी के निरीक्षण के दौरान उपराष्ट्रपति की सुरक्षा में तैनात किए गए दो थाना प्रभारी, आईटी सेल के निरीक्षक, एक महिला दरोगा समेत 15 पुलिसकर्मी गैरहाजिर

चल रहे इंडिया वाटर वीक का शनिवार को उपराष्ट्रपति की सुरक्षा को लेकर कड़े बंदोबस्त

सीसीएसयू का बड़ा फैसला: बिना रिजल्ट अगली कक्षा में प्रवेश पा सकेंगे छात्र

अब बिना रिजल्ट नहीं रुकेंगे प्रवेश और पढ़ाई

फेल होने पर कॉलेज वापस कर सकेंगे, सेमेस्टर और वार्षिक दोनों में लागू

नोएडा/मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय कैंपस और संबद्ध कॉलेजों में अब बिना रिजल्ट अगली कक्षा में प्रवेश देते हुए पढ़ाई शुरू हो सकेगी। रिजल्ट में देरी से कॉलेजों में प्रवेश और कक्षा नहीं चलने की समस्या को विश्वविद्यालय ने खत्म कर दिया है।

विश्वविद्यालय के इस फैसले से छात्र अब प्रत्येक वर्ष में पेपर देते ही अगली कक्षा में औपबंधिक (प्रोविजनली) प्रवेश ले सकेंगे। अगली कक्षा में प्रवेश के बाद परिणाम में फेल होने की स्थिति में छात्रों को कॉलेज-कैंपस से फीस लौटा दी जाएगी। इस स्थिति में केवल प्रोसेसिंग शुल्क की कटौती होगी।

अब ऐसे होंगे प्रवेश और पढ़ाई

एनईपी को छोड़ बाकी सेमेस्टर में द्वितीय, चतुर्थ, षष्टम, अष्टम सेमेटर के पेपर में शामिल छात्र बिना परिणाम अगली कक्षा में प्रवेश पा सकेंगे। वार्षिक प्रणाली में भी बिना रिजल्ट छात्रों को अगली कक्षा में प्रवेश मिलेगा। रिजल्ट आने पर यदि छात्र बैक के लिए अई रहते हैं तो वे अगले वर्ष की पढ़ाई जारी रखते हुए पूर्व वर्ष का बैक पेपर दे सकेंगे। यदि बैक के लिए अर्ह नहीं हैं अथवा फेल हो जाते हैं तो उनका अगले वर्ष में लिया प्रवेश निरस्त हो जाएगा। कॉलेज छात्र की फीस वापस करेगा। बाद में वह पूर्व वर्ष में बतौर एक्स स्टूडेंट शामिल हो सकेगा।

एनईपी में भी सम सेमेस्टर के पेपर देते ही अगली कक्षा में प्रवेश मिलेगा। रिजल्ट आने पर यदि छात्र एक वर्ष (दो सेमेस्टर) में निर्धारित कुल 46 क्रेडिट में से 23 पास कर लेता है तो उसका अगली कक्षा में प्रवेश मान्य रहेगा। यदि 23 क्रेडिट (50 फीसदी) को छात्र पास नहीं कर पाता तो उसका प्रवेश अगली कक्षा में मान्य नहीं होगा। कॉलेज छात्रका प्रवेश निरस्त करते हुए फीस वापस कर देंगे।

सात नवंबर तक जमा करें लघु शोध ग्रंथ

विश्वविद्यालय ने एलएलएम में छात्र-छात्राओं के लघ शोध ग्रंथ नवंबर तक कैंपस में जमा कराने के निर्देश दिए हैं। बिना लघु शोध ग्रंथ छात्र-छात्राओं का परिणाम जारी नहीं होगी। इस स्थिति में एलएलएम के छात्र दीक्षांत समारोह में मेडल सची से बाहर कर दिए जाएंगे।

सेमेस्टर में नकल पर 85 छात्रों पर कार्रवाई

विश्वविद्यालय ने पीजी सेमेस्टर में नकल करने वाले 85 छात्र-छात्राओं पर कार्रवाई कर दी है। 50 से अधिक छात्र-छात्राओं के संबंधित सेमेस्टर के पेपर निरस्त कर दिए गए हैं।

अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज (हरिद्वार) के तत्वाधान में (एन.सी.आर. क्षेत्र)

जिला गीतम बुद्ध नगर - द्वारा गर्भोत्सव कार्यक्रम

हर जाति, हर धर्म, हर सम्प्रदाय की गर्भवती माताओं के लिये विशेष - कार्यक्रम।।

सस्कारवान पीढ़ी

क्या आप प्रतिभाशाली, प्रखर, बुद्धिमान, तेजस्वी, मानवीय मूल्यों को समर्पित शिशु को चाहती हैं । यह संस्कार निःशुल्क कराया जाता है। पूरी जानकारी प्राप्त कर नवसृजन के लिये मेधावी संतानों को जन्म दें। इस कार्यक्रम में गर्भवती माँ शिशु (गर्भस्थ) परिवार, आहार ज्ञान, एवं विज्ञान के आधार पर पूरी जानकारी दी जाती है। पवित्र मंत्रों द्वारा गर्भस्थ शिशु दिव्य गुणों के आर्विभाव का प्रयास किया जाता है। किस-किस सावधानी को लेकर-गर्भवती माँ आने वाली संतान को संस्कारो से युक्त वना सकती है।

यदि आप ऐसी संतान चाहती हैं, तो इस अमूल्य अवसर का नि:शुल्क लाभ उठाने से न चूकें।

कृपया यज्ञ शाला बीटा-2, आई ब्लॉक, वैभव लक्ष्मी मंदिर परिसर में संस्कार कराने से एक दिन पहले सम्पर्क करें।

कार्यकर्ता बहनें:-

जिला समन्वयक (गीतम बुद्ध नगर) : 9910004259

<mark>सहयोगी : 9958106531, 8527</mark>644222, 9643398865, 9582351196, 931179250

संपादकीय

गुजरात के चुनाव का हाल

भारतीय निर्वाचन आयोग ने गुजरात विधानसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान कर दिया है जिसके साथ ही अब गुजरात

में आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू हो गयी है। पिछले कुछ समय से गुजरात में जिस तरह तमाम घोषणाओं और राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का जो सिलसिला चल रहा था वह अब थम जायेगा। गुजरात में अब सबकी नजर इस पर रहेगी कि क्या वहां लगातार 7वीं बार भाजपा को सरकार बनाने का मौका मिलता है? साथ ही यह भी देखना होगा कि क्या मुफ्त सौगातों के वादे पर ही जनता रीझती है ? इस साल की शुरुआत में हुए पांच राज्यों के चुनावों में से चार में जीत हासिल करने के बाद यदि भाजपा गुजरात को भी जीतने में सफल रहती है तो 2023 के चुनावों में विपक्ष के लिए भाजपा के विजय रथ को रोकना मुश्किल हो जायेगा। गुजरात चूंकि प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का गृह राज्य भी है इसलिए यह दोनों नेता चुनाव जीतने में कोई कसर बाकी नहीं रखेंगे लेकिन अंततः परिणाम वही होगा जोकि जनता चाहती है।



कपिल कुमार संपादक, नोएंडा व्यूज

गुजरात में दो चरणों में होने जा रहे चुनाव में एक खास बात यह है कि 3,24,422 मतदाता इस बार पहली बार

मतदान करेंगे। नये वोटरों का रुझान सभी पार्टियों के लिए काफी मायने रखता है इसलिए देखना होगा कि राजनीतिक दल अपने अपने चुनावी घोषणापत्रों में किन वादों का ऐलान करते हैं। भाजपा की ओर से यहां विकास को बड़ा मुद्दा बनाये जाने की संभावना है साथ ही वह अपनी हिंदुत्ववादी वाली छवि भी चुनाव प्रचार के दौरान और उभार सकती है।

गुजरात राज्य के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो गुजरात में पिछले 27 सालों से भाजपा का राज है। भाजपा ने गुजरात में पिछले छह विधानसभा चुनावों में लगातार जीत दर्ज करके रिकॉर्ड बनाया है इसलिए इस बात पर सभी की निगाह है कि क्या सातवीं बार भी जनता भाजपा को मौका देगी। गुजरात में नरेंद्र मोदी

गुजरात राज्य के राजनीतिक इतिहास पर नजर डार्ले तो गुजरात में पिछले 27 सालों से भाजपा का राज है। भाजपा ने गुजरात में पिछले छह विधानसभा चुनावों में लगातार जीत दर्ज करके रिकॉर्ड बनाया है इसलिए इस बात पर सभी की निगाह है कि क्या सातवीं बार भी जनता भाजपा को मौका देगी । गुजरात में नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री बनने के बाद भाजपा ने राज्य में विकास की बदौलत अपनी जड़ें बहुत मजबूत कीं लेकिन उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद कोई अन्य मुख्यमंत्री यहां खुद ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सका । गुजरात में भाजपा ने पहले आनंदीबेन पटेल, फिर विजय रूपाणी और उसके बाद भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री बनाया । देखना होगा कि क्या भाजपा भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित कर चुनाव लड़ती है या फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर ही पूरा चुनाव लड़ा जाता है।

के मुख्यमंत्री बनने के बाद भाजपा ने राज्य में विकास की बदौलत अपनी जड़ें बहुत मजबूत कीं लेकिन उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद कोई अन्य मुख्यमंत्री यहां खुद ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सका। यही कारण रहा कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद गुजरात में भाजपा ने पहले आनंदीबेन पटेल, फिर विजय रूपाणी और उसके बाद भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री बनाया । देखना होगा कि क्या भाजपा भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित कर चुनाव लड़ती है या फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर ही पूरा चुनाव लड़ा जाता है। गुजरात के चुनावी मुकाबले की बात करें तो वैसे तो यहां चुनावी जंग भाजपा और कांग्रेस के बीच ही होती रही है लेकिन इस बार आम आदमी पार्टी यहां तीसरी शक्ति के रूप में उभरी है जिसके चलते चुनावी मुकाबला त्रिकोणीय नजर आ रहा है।

निर्माणाधीन मकान के लिए निकाली गई मिट्टी का ढेर गिरने से मासूम की मौत

जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानदंडों का पालन नहीं किया गया था।

नोएडा, संवाददाता।

निर्माणाधीन मकान के लिए खुदाई कर निकाली गई मिट्टी का ढेर ऊपर गिरने से सात वर्षीय मासूम की मौत हो गई। इस मामले में सेक्टर-20 कोतवाली पुलिस ने संबंधित मकान के मालिक राजेश अरोड़ा और ठेकेदार जयराम को निर्माण कार्य के दौरान लापरवाही बरतने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।

मकान मालिक राजेश अरोड़ा वर्तमान में सेक्टर-36 में रहते हैं और जयराम हमीरपुर के मौदहा थानाक्षेत्र के बहरेला गांव का रहने वाला है,जो वर्तमान में बादलपुर थानाक्षेत्र के छपरौला गांव में रह रहा

है। कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि राजेश अरोड़ा द्वारा सेक्टर-31 के प्लाट संख्या 67 ए में मकान का निर्माण कार्य कराया जा रहा था।

खेलने के दौरान गिरा मिटटी का ढेर

जालौन के कदौरा थानाक्षेत्र के नंगवा गांव के चंद्रशेखर बीते एक माह से काम कर रहे थे। शुक्रवार शाम को तीन बजे के करीब चंद्रशेखर की सात साल की बेटी मनोरमा निर्माणस्थल पर पहुंची और वहीं खेलने लगी।

निर्माणाधीन मकान के बेसमेंट में मानक के अनुसार खुदाई नहीं हुई और खुदाई कर निकाली गई मिट्टी को बगल में ही एकत्र कर दिया गया। खेलने के दौरान मनोरमा के ऊपर मिट्टी का ढेर गिर गया और वह उसमें दब गई।

ठेकेदार के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला

गंभीर हालत में मासूम के पिता बेटी को लेकर नजदीक के अस्पताल पहुंचे,जहां चिकित्सकों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। मासूम के पिता की शिकायत पर मकान मालिक और ठेकेदार के मामला दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानदंडों का पालन नहीं किया गया था। किसी भी निर्माण स्थल पर यदि खुदाई का कार्य चल रहा है, तो उस स्थान को घेरने की आवश्यकता है जो इस विशेष स्थल पर नहीं किया गया था। मासूम के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया गया।

जल संकट से बुरे हालात न बनें, अपनी गलत आदतों को बदलना होगा- वीके माधवन

नोएडा । ऐसा नहीं है कि नदियों वाले देश भारत में पानी की कमी है, सवाल यही है हम अपनी आदतों में सुधार करने को राजी नहीं हैं। पानी का मूल्य चुका रहे हैं तब कीमत समझ रहे हैं, लेकिन जल संचयन हमारा नैतिक कर्तव्य है, हमारा संस्कार है इसे हम भूलते जा रहे हैं। जल प्रबंधन की कमजोर नीति और नागरिक सामाजिक संस्थाओं के क्रियान्वयन ब्रिज को मजबूत करने की आवश्यकता है। एक से पांच नवंबर तक आयोजित हुए इंडिया वाटर वीक में वैचारिक चेतना का जो उद्वेग उठा है उसे धरातल तक लाया जाए इस संकल्प के साथ जल चिंतकों ने विदा ली है। इन्हीं चिंतकों में शामिल रहे अंतरराष्ट्रीय संस्था वाटरएड इंडिया के सीईओ वीके माधवन भी रहे। इस अवस पर उनसे हुई बातचीत के प्रमुख अंश प्रस्तुत हैं:

वाटरएडः अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन है। जो पानी, स्वच्छता और स्वच्छता पर केंद्रित है। इसकी स्थापना 1981 में संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय पेयजल दशक (1981-1990) की प्रतिक्रिया के रूप में की गई थी। 34 देशों में सक्रिययह संगठन वर्ष 1986 से भारत में भूजल दोहन, संचयन, संरक्षण पर लगातार सक्रियता से काम कर रहा है। वर्ष 2016 से वीके माधवन वाटरएड इंडिया के सीईओ हैं।

नदियों वाला देश भारत आज जल संकटका सामना कर रहा है। इसकी मुख्यवजहक्याहै?

हम आबादी के हिसाब से पानी के बेहिसाब उपभोक्ता बन गए हैं। जरूरते हैं भले वो कृषि के माध्यम से हैं। जनसंख्या के लिए हैं। शहर-गांवों में हों। नदियों में पानी आता है। वाटर शेड़ हैं वहां वृक्षारोपण हो वहां उसके ठहराव का प्राकृतिक अनुकूल पर्यावरण दें। मान लीजिए हम गंगा नदि की ही बात करें और उत्तराखंड के जो पहाड़ी क्षेत्र में वहां वृक्षारोपण कम हो जाए, उसकी देखरेख कमजोर पड़ जाए तो उसके आसपास के जो स्प्रिंग हैं वो सूख जाएंगे तो गंगा के पानी की मात्रा घटने लगेगी। कुछ पानी वर्षा के समय में नदियों में एकत्रित होता है।पहले जब व्यवस्थाएं कम थीं तो लोग ज्यादा कदर करते थे। संरक्षण, संचयन उनके संस्कार से जुड़ा रहता था। यदि हम भविष्य के लिए यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि जल संकट को लेकर बुरे हालात नहीं देखने पड़ें तो अपनी जल बर्बादी जैसी बुरी आदतों को आज से ही बदलना होगा। सिर्फ सरकार पानी का संरक्षण करेगी इस प्रवृत्ति से जितनी जल्दी हो निकलना होगा।

लोग जिम्मेदारी नहीं समझ पा रहे हैं तो इसके लिए कौन जिम्मेदार हैं? कितनी संस्था और संगठन हैं, सरकार है सब काम कर रहे हैं तो उसका प्रभाव कहां हो रहा है?

पहली चीज तो ये है कि किसी को जिम्मेदार ठहराने का विषय नहीं है।



क्योंकि इसके पीछे दो-तीन कारण हैं। पूर्व में जब लोगों को पानी की अपनी व्यवस्था करनी होती थी तो प्राकृतिक संसाधन उनके अपने थे। लेकिन पांच-छह दशक से लोगों ने अपनी ये जिम्मेदारी छोड़ दी है। उनके दिमाग में ये बात बैठ गई है कि जल स्रोतों का संरक्षण हमारी जिम्मेदारी नहीं है। प्रकृति से रिश्ता तोड़ने पर खुद ही आमादा हो गए हैं। जो पहले सामुदायिक जिम्मेदारी थी अब उसे सिर्फ सरकारी मान लिया गया है। ये रिश्ता बदलना भारी पड़ रहा है। मेरे ख्याल से हम जल का सही मूल्य समझने में विफल हैं। और मनुष्य जैसा स्वभाव से होता जा रहा है जब किसी की कीमत अदा करता है तभी उसका मूल्य समझता है। वही स्थिति पानी को लेकर भी हो गई है। जब आप एक लीटर पानी की बोतल खरीदकर पीते हैं तो वो खाली बोतल ही इधर-उधर कूड़ा बढ़ाती नजर

कहीं पानी बहुत ज्यादा है तो कहीं बहुत कम?ये असंतुलन क्यों?

शहरीकरण की दिशा में देखें तो पानी की पहुंच और पानी तक पहुंच को लेकर भी बहुत असमानता हैं कुछ लोगों को ज्यादा पानी मिलता है, ये असंतुलन भी बहुत भारी पड़ रहा है। जब तक लोगों को ये समझ नहीं आएगा कि आपके हाथ में ये एक गिलास पानी है, ये कितनी मेहनत और प्रक्रियाओं के बाद घर बैठे आप तक पहुंच रहा है तब तक ये असंतुलन की खायी भी कम नहीं होगी। कहीं भोर से ही कतार दिखेगी, तो कहीं कार धोने में पानी की बर्बादी होती दिखेगी।

वर्षा जल संचयन के माध्यम से हम आने वाली पीढ़ी को जल संकट से बचा पाएंगे?

पानी के संरक्षण को लेकर शहरी और ग्रामीण दृष्टि में अलग देखने की जरूरत है। ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश जगहों पर छोटे-छोटे पानी के स्रोत थे, तालाब जोहड़ छोटे से आकार में कच्चे क्षेत्र में संरक्षित करके रखते थे। इन स्रोतों की अहम भूमिका होती थी। ये सिर्फ संरक्षण या जल स्रोत तक सीमित नहीं होते थे या हैं। ये अहम भूमिका आपदा के समय में भी निभाते हैं। वर्ष 2015 में जब चेन्नई में बाढ़ आई तो उसके बाद लोगों में समझ बढ़ी की पहले वहां कभी तालाब, टैंक खूब हुआ करते थे। अचानक तेज वर्षा, बाढ़ जैसे हालात होने पर इन स्रोतों में ही तो पानी एकत्रित होता था। लेकिन अब तो इनके बहाव के लिए बनी नालियों से

लेकर इन स्रोतों तक को पाट दिया गया है। इन्हें बचाने की आवश्यकता है। अहमियत, जरूरत समझेंगे तभी संभव है। आज भले गांव कस्बा और शहर बनते जा रहे हैं लेकिन जहां कुआं है उसमें भले पानी नहीं है, लेकिन हम उसमें वर्षा का पानी तो संजो सकते हैं उसके आसपास के क्षेत्र को उससे जोड़ा जा सकता है। अब बात शहरों की तो यहां तो हम कहते हैं न गले तक सिर्फ विकास से उसे भर दिया है। यदि हम ये सोच बैठे हैं, इसका ही इंतजार कर रहे हैं कि कानून बने और जल संचयन नहीं करने पर, सड़कों पर पानी भरने पर कड़ी कार्रवाई हो तभी सुधरेंगे तो यह रवैया अगली पीढ़ी को खतरे में डालने वाला है।

वर्तमान में अमृत सरोवर योजना चल रही है, इस पर क्या कहेंगे, सीमेंट के ढांचे खींच दिए जा रहे हैं? संरक्षण के सपने को साकार कर

देखिए इसे इस दृष्टि से देखा जाए कि हमें शुक्रगुजार होना चाहिए कि कम से कम एक प्रयास तो हुआ। जिस मसले पर ध्यान नहीं था, वहां शुरुआत तो हुई। अब रही बात इसके क्रियान्वयन की तो अलग-अलग राज्यों में इस पर अलग नजरिए से काम किया जा रहा है। कुछ जिले, राज्यों में जहां पहले जल स्रोत तालाब थे उसी को जीवित करने के लिए काम किया जा रहा है। उसके आसपास हरियाली बढ़ा दे रहे हैं एक तालाब का वातावरण आसपास संजोया जा रहा है। अब संरक्षण करने वाले सोचने लगे हैं कि इसे चारों तरफ से ईंट सीमेंट से पक्का कर देंगे तो लंबे समय तक संरक्षण हो जाएगा। अलग-अलग परिस्थिति से ये नियोजन तो किया जा रहा है लेकिन इसमें हम वहां के लोगों को जोड़ेंगे, उस परिस्थिति में रह रहे समुदाय को जोड़ेंगे तो वो बताएगा न कि इस क्षेत्र में पहले कहां जल स्रोत था, उसे कैसे पुनर्जीवित किया जा सकता है। इससे लिए कहीं से विशेषज्ञ लाने की आवश्यकता नहीं है, हर गांव में एक क्या कई ऐसे व्यक्ति मिल जाएंगे जिन्हें उस जगह की माटी से लेकर पानी तक की पूरी समझ होती है। तब ऐसे पक्के तालाब नहीं बनाते, हां, आज भी खरे हैं तालाब जरूर बनेंगे।

संघर्ष, सेवा और विकास यदि ये इन तीनों ही स्तर पर दायित्व निभा रहे होते तो क्या ये धारणा बनती?

तो आपका क्या कहना है कि ये संस्था काम नहीं कर रही हैं?

लेकिन फिर भी सवाल क्यों उठ रहे हैं? उस धारणा को क्यों नहीं तोड़ा जारहा?

हां, ये नागरिक समाज संस्थाओं की कमी है, खुद की कमियों में सुधार नहीं करना और अपने क्रियान्वयन की प्रक्रिया में जरूरतों के हिसाब से बदलाव नहीं करना भविष्य के लिए अलर्ट जरूर है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक कपिल कुमार ने समग टू इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, ए-157, सेक्टर-80, फेस-2, नोएडा से छपवा कर, ग्राम व पोस्ट- खेड़ी गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित किया। **संपादक: कपिल कुमार,** मो. 9810402764,ई-मेलः noidaviews2014@gmail.com ● नोटः सभी विवादों का निस्तारण गौतमबुद्धनगर न्यायालय के अधीन होगा।

लोक कल्याणार्थ गायत्री परिवार के तत्वावधान में एक सकारात्मक पहल

गौतमबुद्ध नगर क्षेत्र में चल रहा है आऔ गढ़ें संस्कारवान पीढ़ी अभियान

▶सकारात्मक सोच के साथ गर्भ से संस्कारवान शिशु का निर्माण करने का प्रयास ▶सकारात्मक सोच के साथ गर्भ से संस्कारवान शिशु का निर्माण करने का प्रयास

►घर घर जाकर अपनी राष्ट्रीय संस्कृति एवं संस्कारों को ज़िंदा रखने की पहल

▶घर घर जाकर अपनी राष्ट्रीय संस्कृति एवं संस्कारों को ज़िंदा रखने की पहल

नोएडा।गौतमबुद्धनगर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र आऔ गढ़े संस्कार वान पीढ़ी-गर्भ से शिशु का निर्माण किस प्रकार सकारात्मक सोच, उचित गर्भवती माँ की दिनचर्या, पौष्टिक आहार सात्विकभाव, नियमित सदसाहित्य का अध्ययन, योग ध्यान एवं प्राणायाम के साथ पूरे नौ माह की यात्रा को सकारात्मक सोच के साथ लेकर चलने वाली माँ काँ शिशु निश्चित ही मेधावी सुसंस्कारों से युक्त संतान के रूप में प्राप्त हो सकेगा।

यह प्रयोग देखे जा चुके हैं। गायत्री परिवार के तत्वावधान में गौतम बुद्ध नगर से जिला समन्वयक द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम विगत वर्ष से चल रहा है। इससे पूर्व भी महिला पुरोहितों को तैयार कर घर घर अपनी राष्ट्रीय संस्कृति एवं संस्कारों को जिंदा रखने का प्रयास विगत २०२१ से जारी है जिसका लाभ महिलाओं को मिल रहा है। हर संस्कार बहने करा रही है। एक टीम के अन्तर्गत हर क्षेत्र में आसपास हम लोग पहुँच कर संस्कारो के प्रति जागरूकता अभियान चला रहे हैं हजारों परिवार लाभान्वित हुये -योग एवं प्राणायाम के साथ आत्म चिंतन द्वारा तनाव से मुक्ति एवं मंत्र लेखन के साथ ही जप की शक्ति हर गर्भ वती माता को नयीं उरजा से भरता है।

क्या है गर्भ उत्सव कार्य क्रम

गर्भ काल के तीसरे माह या कभी भी यह कार्य क्रम संपन्न होता है। औषधीय अवघराण के द्वारा गर्भस्थ शिशु को अभिमंत्रित किया जाता है। पति एवं परिवार के क्या कर्तव्य है यह विस्तार से जानकारी दी जाती है। आने वाली आत्मा एक दिव्य वातावरण और दिव्या को लेकर जन्म ले यह विषय बताया जाता है। हर धर्म हर संप्रदाय की महिलाओं को यह कार्य क्रम में अवश्य ही सम्मिलित होकर देश व्यापी कार्य क्रम को सफल बनाने में सहयोग करें यही एक आशा है। सैकड़ों गर्भ वती माताओं



ने यह लाभ लिया। रानी मदालसा, ने गर्भ से ही नव निर्माण किया था। सुभद्रा ने अभिमन्यु का निर्माण गर्भ से किया। शकुंतला ने भरत का निर्माण गर्भ से ही किया था।

आऔ गढ़े संस्कारवान पीढ़ी वर्तमान समय की माँग-जिस तरह से आज नशा, धोखाधड़ी हर जगह है। हर परिवार बेहाल है अपने बच्चों को लेकर। अनुशासन और मर्यादित व्यवस्था बिलकुल भी नहीं है। आने वाली युवा पीढ़ी- इस व्यवस्था को समझे। नवसृजन के लिए इस पर विचार कर समाज में सामाजिक और आध्यात्मिक वातावरण बनाये जिससे भारतीय परिवार पुनः संस्कारों के साथ जुड़ कर धर्म की रक्षा एवं अपने द्रष्टा भाव को परिवर्तित करें और आज ही जाग्रति अभियान के अन्तर्गत आगे बढ़ें। इस कार्य क्रम में गौतम बुद्ध नगर जिले के दादरी, दनकौर, नोयडा एवं ग्रेटर नोएडा की बहुत सी सोसाइटी मे सिम्मिलित होकर कार्यक्रम को चलाया गया। महिला पुरोहितों की तैयारी-नारी सशक्तिकरण २१वी सदी को चिरतार्थ करते हुए महिलाओं को अपने यहाँ हर प्रकार से तैयार किया गया है।

पूर्व में केवल पुरोहितों के आने की प्रतीक्षा के कारण विशेष यज्ञों को विलंब हो जाता था। टीम मे - विजय, शिशा, मंजू, वंदना, हेमा, कृष्ण कांति राय, निशा, नीरज और अपर्णा महत्वपूर्ण भूमिका में परिवारों में जागरूकता दे रही हैं। लोक कल्याण की भावना को लेकर निरंतर जारी यह जन आंदोलन एक विशाल रूप ले रहा है। अलफा-२ मे होने वाली भागवत कथा मे हर दिन आऔ गढ़े संस्कार वान पीढ़ी पर कार्य क्रम संपन्न होगा। वर्तमान समय-हमारी संस्कृति एवं संस्कारों को बचाना हम सब का दायित्व है।

नारी प्रगति सोशल फाउंडेशन ने पार्क में शुरू की प्रॉब्लम सोल्विंग क्लासेस

जो बच्चे स्कूल नहीं जा रहे हैं संस्था उनका एडिमझान सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में भी कराने का प्रयास करती है।

नोएडा। नारी प्रगित सोशल फाउंडेशन ने विद्याधारा परियोजना के अंतर्गत सेक्टर 50 के पार्क में गरीब बच्चों की शिक्षा में और अधिक गुणवत्ता लाने के लिए बच्चों को स्कूल के बाद किसी भी विषय में आ रही कठिनाइयों को दूर करने के लिए संस्था ने प्रॉब्लम सोल्विंग क्लासेस की शुरुआत की जिसमे भिन्न भिन्न स्कूल के क्लास 1- 8 तक के 18 बच्चों ने अपना नाम ममता झा की मदद से रजिस्टर कराया।

संस्था की मीडिया प्रभारी अलका वर्मा ने बताया कि इसमें उपस्थित बच्चों ने अपने विषय से संबंधित परेशानियों को बताया, संस्था ने इसके निराकरण के लिए कई



महत्वपूर्ण कदम उठाए।

संस्था की निदेशक मीनाक्षी त्यागी ,विनता भट्ट, निशु गुप्ता एवम किड्स एजूकेशन हेड शिश नाथ प्रसादके अनुसार अधिकांश आर्थिक रूप से पिछड़े बच्चे स्कूल से आने के बाद ना स्वम पढ पाते है और ना ट्यूशन वहन कर पाते है जिसके कारण बच्चों की शिक्षा रुक जाती है, आत्मविश्वास कम होता है और इनके सपने अधूरे ही रह जाते हैं।

सोशल मीडिया प्रभारी विक्रम सेठी ने बताया कि सस्था इसके अलावा जो बच्चे स्कूल नही जा रहे है सस्था उनका एडिमिशन सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में भी कराने का प्रयास करती हैं। नारी प्रगति सोशल फाउंडेशन इस प्रॉब्लम सोल्विंग क्लासेस को सफल बनाने में सभी से सहयोग की आशा रखती हैं।

रंग ला रही स्वच्छता की मुहिम, प्लॉट की सफाई कर 52 टन कूड़ा फेंका

सीर्डओ के निर्देश पर निवासियों संग ग्रेनो प्राधिकरण चला रहा अभियान



ग्रेटर नोएडा। स्वच्छता में ग्रेटर नोएडा को अव्वल बनाने के लिए प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी के निर्देश पर सफाई गिरी अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत शनिवार को प्राधिकरण और सीप्रंग मिडोज के निवासियों ने साफ-सफाई अभियान चलाया। सीप्रंग मिडोज और निराला एस्टेट के पास की सड़कों और खाली पड़े फ़्लॉट की साफ-सफाई की गई।

अभियान में दोनों सोसाइटी के निवासियों ने बढ़- चढ़कर हिस्सा लिया। निवासियों का कहना है कि इस तरह का सफाई अभियान आगे भी जारी रहेगा। सप्रेंग मिडोज के निवासी विकास कटियार ने बताया है कि इस प्लॉट की सफाई के लिए सोशल मीडिया के जरिए प्राधिकरण को सूचना दी गई थी।

प्राधिकरण की मदद से जुलाई 2022 से इसकी सफाई का कार्य शुरू कराया गया। इस प्लॉट से 52 ट्रक मलबा निकाला गया। प्राधिकरण की मदद से दो से तीन महीनों में नियमित रूप से कूड़ा निकलवाया गया। निवासियों का कहना है इस तरह की मुहिम आगे भी जारी रहेगी। निवासियों ने इस मुहिम में सहयोग के लिए प्राधिकरण के प्रति आभार जताया है। प्राधिकरण के जीएम सलिल यादव ने निवासियों से इस तरह की मुहिम चलाने की अपील करते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया है। इस अभियान में सुबीर, अतानू, बापी, अवनीश वर्मा, संदीप गुप्ता, राहुल, गिरिधर, सौरभ, सुरेंद्र, कन्हैया, विकाश कटियार समेत प्राधिकरण के कर्मचारीगण मौजद रहे।

90 लाख रुपये लेकर नहीं किया कच्चा माल सप्लाई

आरोप है कि पैसे लेने के बाद उनके पास माल की सप्लाई नहीं की गई। जब उन्होंने अपने पैसे मांगे तो धमकी दी गई।

नोएडा, संवाददाता।

एक कंपनी मालिक ने एक फर्म संचालकों के खिलाफ 90 लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। आरोप है कि आरोपी फर्म के अधिकारियों ने उनसे 90 लाख रुपये लेकर प्लास्टिक के कच्चे माल की सप्लाई नहीं की। इस संबंध में अदालत के आदेश पर फेज तीन थाने में आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

अमित सिंह मेहरा ने बताया कि हरियाणा में उनकी प्लास्टिक के उपकरण बनाने की कंपनी है।

कुछ समय पहले सेक्टर 63 स्थित एक कंपनी के अधिकारियों ने उनसे संपर्क किया था। उन्होंने अमित को भरोसा दिलाया कि वह उनकी कंपनी के लिए कच्चा माल सप्लाई कर करेंगे। दोनों पक्षों के बीच सौदा तय हो गया। अमित का दावा है कि उन्होंने करीब 90 लाख रुपये आरोपी कंपनी को दे दिए। आरोप है कि पैसे लेने के बाद उनके पास माल की सप्लाई नहीं की गई। जब उन्होंने अपने पैसे मांगे तो धमकी दी गई।

इसके बाद पीड़ित ने अदालत में गुहार लगाई। अब अदालत के आदेश पर केस दर्ज किया गया है। एफआईआर में आरोपी कंपनी के अधिकारी श्रद्धा गांगुली, शर्मिष्ठा शर्मा, शुभ गौतम और दिव्या द्विवेदी को नामजद किया गया है। पुलिस कार्रवाई कर रही है।



गुलशन बेलिना सोसायटी की लिफ्ट में आधे घंटे तक फंसे रहे छह बच्चे

नोएडा, संवाददाता। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की गुलशन बेलिना सोसायटी की लिफ्ट में शुक्रवार रात छह बच्चों के फंसने का मामला सामने आया है। लिफ्ट में फंसने के बाद बच्चों ने अलार्म बजाया। जिसे सुनकर सोसायटी के लोग एकत्र हो गए। लोगों ने इसकी सूचना टावर में तैनात गार्ड को दी। सोसायटी के लोगों का आरोप है कि बच्चों को बाहर निकालने में आधे घंटे से भी ज्यादा समय लग गया। सोसायटी के लोगों ने मामले की शिकायत बिल्डर प्रबंधन से की है।

सोसायटी के लोगों ने बताया कि सभी बच्चे अलग-अलग टावरों में अपने परिवार के साथ रहते हैं। जो ई टावर के एक फ्लैट में अपने एक दोस्त के जन्मदिन पार्टी में शामिल हुए थे। रात साढ़े नौ बजे सभी बच्चे अपने-अपने घर जाने के लिए लिफ्ट में सवार हुए। लिफ्ट बंद होने के बाद जैसे ही बच्चों ने नीचे जाने के लिए बटन दबाया।

लिपट की चाबी रखी थी दूर

लिफ्ट में तकनीकी खामी आ गई और लिफ्ट 14वें फ्लोर पर अटक गई। सूचना पर पहुंचे गार्ड ने लिफ्ट की चाबी मुख्य गेट पर रखी होने का हवाला दिया। सोसायटी के लोगों ने बताया कि गेट से चाबी लाने और बच्चों को बाहर निकालने में आधे घंटे से भी ज्यादा का समय लगा।

बच्चों ने लिफ्ट में जाने से किया इन्क्रार

गुलशन बेलिना कल्चरल कमेटी के अध्यक्ष सिवेंद्र सिंह ने बताया कि जिस समय लिफ्ट से बच्चों को बाहर निकाला वह काफी डरे व सहमें हुए थे। बच्चे दूसरी लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों के रास्ते अपने घर पहुंचे। सोसायटी के लोगों ने मामले की शिकायत रखरखाव प्रबंधन से की। लिफ्ट में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज मांगी। पता चला कि लिफ्ट में लगे सीसीटीवी कैमरे पिछले डेढ़ महीने से खराब है। सोसायटी के अविनाश ने बताया कि सोसायटी में आपातकालीन फोन (इंटरकाम सेवा) तक नहीं है। तीन महीने पहले ही बिल्डर ने सुरक्षा एजेंसी बदली है। गार्डों को कोई प्रशिक्षण प्राप्त नहीं है। किसी भी टावर में कोई लिफ्टमैन तैनात नहीं है। इससे पहले भी लोग कई बार लिफ्ट में फंस चुके हैं। इस संबंध में कई बार बिल्डर प्रबंधन से दूरभाष के जरिये संपर्क करने की कोशिश की गई। मैसेज भी किये, लेकिन बिल्डर प्रबंधन का कोई जवाब अभी तक नहीं आया है।

केंद्रीय मंत्री ने नवनिर्मित सौ कमरों के छात्रावास का किया शुभारंभ



नोएडा। सेक्टर-62 स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान (एनएमआई) में शनिवार को केंद्रीय पर्टयन, संस्कृति और पूर्वोत्तर क्षेत्रविकास मंत्री जी. किशन रेड्डी ने 100 कमरों के नवनिर्मित छात्रावास का फीता काटकर शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि संस्कृति, कला के क्षेत्र में करियर की अपार संभावनाएं हैं। यहां पर पेशेवर की कमी है। एनएमआई को इस कमी को पूरा करना चाहिए। कला, संस्कृति, संग्रहालय के अध्ययन को लेकर छात्रों को प्रोत्साहित करना चाहिए।

हमारे देश में पुरातन से लेकर आधुनिक दौर तक कई संग्रहालय हैं, लेकिन इनका समग्र लेखा-जोखा नहीं है। इस पर काम होना चाहिए। एक राष्ट्रीय सम्मेलन जैसे कार्यक्रम की आवश्यकता है। इस मौके पर संस्थान की कुलपित लिली पांडेय, संयुक्त सचिव संग्रहालय मुग्धा सिन्हा रहीं। केंद्रीय मंत्री ने पाक कला संस्थान का भी निरीक्षण किया और वहां व्यवस्थाओं को परखा।

स्ट्रीट फूड के शौकीनों का अड्डा बना सेक्टर-57 का लिट्टी-चोखा प्वाइंट

नोएडा। बिहार व पूर्वी उत्तर प्रदेश की पहचान लिट्टी-चोखा ने शहर के स्ट्रीट फूड में अपनी खास पहचान बना ली है। कुछ माह पहले बना सेक्टर-57 का वेंडिंग जोन इसकी बानगी है। अब तक अलग-अलग जगह सजने वाले लिट्टी-चोखा के स्टाल अब एक जगह आ गए हैं। तब से यह स्ट्रीट फूड के शौकीनों का अड्डा बन गया है। सुबह से लेकर शाम तक लोगों की लाइन लगी रहती है। लिट्टी-चोखी और सत्तू पीने वालों का तांता लगा रहता है। पूरे शहरभर से लोग यहां पहुंचते हैं।

30 से लेकर 60 रुपये तक अलग–अलग प्रकार की लिड्डी

चार रुपये से 60 रुपये तक पहुंचे लिट्टी के दाम बिहार के मुज्जफरपुर के विशष्ठ शाह का स्टाल लगता है। वह नोएडा को लिट्टी चोखा का स्वाद चखाने वाले शुरुआती लोगों में शामिल हैं। वर्षों से सेक्टर-57 रोड पर पीपल वाले कट के पास दुकान थी। अब वह वेंडिंग जोन में आ गए हैं। वह बताते हैं कि जब शुरू किए थे, तब चार रुपये की एक लिट्टी थी। आज 30 से लेकर 60 रुपये तक अलग-अलग प्रकार की लिट्टी है। इसमें सादा से लेकर मक्खन, बाजार के घी और घर के घी की लिट्टी शामिल हैं। आज उनका काम इतना बढ़ गया है कि बेटा और पोता भी दुकान पर ही रहते हैं। बेटा विनोद बीते 10 वर्षों से और पोता सुमित तीन वर्षों से स्टाल पर हाथ बंटा रहे हैं। वशिष्ठ शाह कहते हैं कि काम चल रहा है तभी तो कर रहे हैं। 1995 में नोएडा आए सुनील शाह बीते 20 वर्षों से लिट्टी-चोखा का स्टाल लगा रहे हैं। वह उन्होंने पहले इधर-उधर नौकरी की। फिर लिट्टी-चोखा खिलाना शुरू किया। वर्ष-दर-वर्षकाम बढ़ता चला गया और फिर दूसरा कुछ करने की जरूरत नहीं पड़ी।

36 घंटे बाद भी हमलावर पुलिस की पकड़ से दूर

ग्रेटर नोएडा, संवाददाता। भाजपा के मंडल अध्यक्ष और कार्यकर्ता पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपियों को पुलिस 36 घंटे बाद भी गिरफ्तार नहीं कर सकी है। स्थानीय सांसद ने पुलिस को हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए 36 घंटे का समय दिया था। अब भाजपाइयों द्वारा इस मामले में आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। हालांकि पुलिस लगातार हमलावरों की तलाश में जुटी है। पुलिस का दावा है कि जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा के सेक्टर पी श्री गोलचक्कर के समीप गुरुवार की शाम भाजपा के मंडल अध्यक्ष महेश शर्मा और कार्यकर्ता शिवम और संचित उर्फ सिंगा पंडित पर स्कार्पियो सवार हमलावरों ने हमला बोल दिया था।

इस हमले में मंडल अध्यक्ष महेश शर्मा और शिवम जान बचाकर भाग निकले थे। जबिक आरोपियों ने सिंगा पंडित को पीट कर अधमरा कर दिया। पंडित के दोनों पैरों में फैक्चर है। घायल का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना को लेकर भाजपाइयों में रोष व्याप्त है।

इस घटना को लेकर स्थानीय सांसद डॉ महेश शर्मा ने हमलावरों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस को 36 घंटे का समय दिया था। सांसद ने कहा था कि यदि पुलिस 36 घंटे के अंदर हमलावरों को गिरफ्तार नहीं करती है तो अगला कदम उनका होगा। सांसद द्वारा पुलिस को दिया गया समय पूरा हो गया है। लेकिन पुलिस अभी तक हमलावरों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। ग्रेटर नोएडा के डीसीपी अभिषेक वर्मा का कहना है कि पुलिस की टीमें लगातार हमलावरों की तलाश में जुटी है। हमलावरों को जल्द गिरफ्तार कर कार्रवाई की जाएगी।

रोडवेज बस में महिला ने बच्चे को जन्म दिया

दादरी। बादलपुर क्षेत्र के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग- 91 पर यात्रा कर रही एक महिला ने बदायूं डिपो की रोडवेज बस में बच्चे को जन्म दिया है। महिला दिल्ली के आनंद विहार से जनपद फर्रुखाबाद के लिए सवार हुई थी। महिला और नवजात शिशु स्वस्थ बताए जा रहे हैं। इसके बाद राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित एक निजी अस्पताल में सामान्य जांच के बाद दोनों की छुट्टी कर दी गई। मूलरूप से फर्रुखाबाद का रहने वाला धनीराम गुरुग्राम में मजदूरी का काम करता है। धनीराम के साथ 30 वर्षीय पत्नी पूजा भी काम करती है। धनीराम पत्नी के साथ बदायूं डिपो की बस्सी गृह जनपद फर्रुखाबाद के लिए रवाना हुआ था बस में करीब 40 यात्री सवार थे। लाल कुआं के पास पूजा के पेट में दर्द होने लगा। इसके बाद बस में मौजूद महिला यात्री पूजा के पास पहुंच गई और सबकी मदद से प्रसव के दौरान पूजा ने बेटे को जन्म दिया है।

प्रदूषण ग्रेटर नोएडा में इंडिया वाटर वीक का समापन

भारतकी संस्कृति में जल बचानाः उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़

पानी, बिजली और पेट्रोल को जो हम बचाते हैं। उसका उपयोग बहुत सोच समझ कर करना होगा। पानी की एक एक बूंद को बचाना है।

नोएडा, संवाददाता।

ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट में इंडिया वाटर वीक का शनिवार को समापन हो गया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस दौरान संबोधित किया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि जल शिक्त मंत्री ने राजस्थान में पानी की समस्याओं को नजदीक से देखा है।

मेरी मान्यता है कि ये समापन समारोह संकल्प की शुरुआत है। इस प्रकार का आयोजन आसान नहीं है। प्रधानमंत्री ने 2019 में इस मंत्रालय की पहली बार शुरुआत की। हाल के दिनों में लोगों के जीवन के बदलाव



लाने के लिए नीति गत निर्णय लिए गए है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश में स्वच्छ भारत अभियान चलाना एक चैलेंज है। स्वच्छ भारत अभियान ने एक नई दिशा दिखाई है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति भी जल की बात करती है। ऋग्वेद में कहा गया है कि जल ही अमृत है। भारतीय संस्कृति में जोर का जोड़ का बहुत महत्व है। अमृत काल में अमृत सरोवर की पहल की गई है।

ऊर्जा और अन्य संसाधनों का उपयोग आर्थिक क्षमता के आधार पर नहीं दिया जा उप राष्ट्रपति ने कहा- मेरी मान्यता है कि ये समापन समारोह संकल्प की शुरुआत है। इस प्रकार का आयोजन आसान नहीं है। प्रधानमंत्री ने 2019 में इस मंत्रालय की पहली बार शुरुआत की। हाल के दिनों में लोगों के जीवन के बदलाव लाने के लिए नीति गत निर्णय लिए गए है।

सकता। पानी, बिजली और पेट्रोल को जो हम बचाते हैं। उसका उपयोग बहुत सोच समझ कर करना होगा। पानी की एक एक बूंद को बचाना है। पानी का हम दुरुपयोग नहीं होने देगे, इसकी हमें शपथ लेनी चाहिए।

जल शक्ति मंत्रालय ने एक माप दंड स्थापित किया है। जो उपयोगी साबित हो रहा है। पानी को बचाने के लिए ऐसे कार्यक्रम चलने चाहिए, जिससे देश के संसाधनों को बचाया जा सके।

दीवाली पर पटाखे जलाने को लेकर युवक से हुई मारपीट पर केस दर्ज

नोएडा। फेज दो थानाक्षेत्र के याकूबपुर गांव में दीपावली के दिन पटाखे जलाने को लेकर दो पक्षों में हुए विवाद में केस दर्ज किया गया है।

जितेंद्र ने पुलिस को शिकायत दी है कि 24 अक्तूबर को दीपावली पर एक पक्ष से विवाद हो गया था। तब मामला शांत हो गया। आरोप है कि 3 नवंबर को उनका बेटा रोहन भाटी अपने दादा सोहनपाल को खाना देकर साइकिल से लौट रहा था।

इसी बीच लिलत, हर्ष, कनक और सतेंद्र ने रोहन को लाठी और डंडे पीटा। यह पता नहीं चल पाया है कि किस बात को लेकर उनमें विवाद हुआ। वह एक निजी अस्पताल में उपचाराधीन है। पुलिस ने लिलत, हर्ष, कनक और सतेंद्र के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

05

प्रदूषण से जंग-पाबंदी: नोएडा से आ रहे BS-3 पेट्रोल, BS-4 डीजल वाहनों की दिल्ली में नो एंट्री

सीएनजी और इलेक्ट्रिक को छोड़कर अन्य सभी ट्रकों को प्रवेश नहीं मिलेगा। आवश्यक वस्तुओं, सेवाओं में शामिल वाहनों को छूट रहेगी।

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण बढ़ने के मद्देनजर ट्रैफिक पुलिस ने सख्ती की है। नोएडा होकर दिल्ली जाने वाले बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल वाहनों के दिल्ली में घुसने पर भी रोक लगा दी गई है।

ये वाहन बंद रहेंगे: बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल हल्के वाहनों के अलावा डीजल के मध्यम और भारी मालवाहक वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। सीएनजी और इलेक्ट्रिक को छोड़कर अन्य सभी ट्रकों को प्रवेश नहीं मिलेगा। आवश्यक वस्तुओं, सेवाओं में शामिल वाहनों को छूट रहेगी।



डीसीपी यातायात गणेश साहा ने बताया कि कोई दिक्कत होने पर हेल्पलाइन से मदद ली जा सकती है।

इस तरह से जाना होगा: चिल्ला रेगुलेटर-नोएडा प्रवेश द्वार, डीएनडी और कालिंदी कुंज होकर दिल्ली जाने वाले ट्रक, मध्यम मालवाहक वाहन और हल्के चार पिहया वाहनों में बीएस-3 पेट्रोल व बीएस-4 डीजल वाहन नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे, यमुना एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे आदि वैकल्पिक रास्तों से गंतव्य जा सकेंगे।

प्रदूषण घटा, धुंध बढ़ी

शनिवार को दिल्ली में प्रदूषण घटा, लेकिन धुंध बढ़ गई। मौसम वैज्ञानिक महेश पालावत ने बताया कि पूर्वी दिशा से हवा चलने की वजह से पराली का धुआं दिल्ली की ओर कम आ रहा है। इससे दिल्ली के विभिन्न इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक पहले से कम दर्ज हो रहा है।

हवा की दिशा बदलने से राजधानी को मिली राहत

दिल्ली में बीते दो दिनों से बढ़े हुए प्रदूषण से शनिवार को हल्की राहत मिली। हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम की जगह पूर्वी एवं दक्षिण पूर्वी दिशा होने से शनिवार को प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी से बेहद खराब श्रेणी में आ गया है। अगले दो दिनों में प्रदूषण कम होकर खराब श्रेणी में जाने की संभावना है। राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक जो गुरुवार को 450 और शुक्रवार को 447 अंक पर दर्ज हुआ था। शनिवार को यह आंकड़ा 385 अंक दर्ज किया गया। हालांकि, शनिवार को भी 13 इलाकों में प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में रहा। दिल्ली में शनिवार सुबह एक्यूआई 415 दर्ज किया गया तो शाम तक यह घटकर 385 पर आ गया। अगले दो दिनों में इसमें और कमी आने की संभावना है। सफर की मानें तो मंगलवार तक वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 से नीचे जा सकता है। ऐसा होने पर यह बेहद खराब श्रेणी से खराब श्रेणी में पहुंच जाएगा। शनिवार को अधिकतम तापमान ३० डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान 16 डिग्री दर्ज किया गया।

घर से कॉलेज के लिए निकला छात्र लापता

ग्रेटर नोएडा, संवाददाता।

ग्रेनो वेस्ट की फ्यूजन होम्स सोसाइटी स्थित अपने घर से कॉलेज के लिए निकला छात्र संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। परिजनों ने छात्र के लापता होने की सूचना पुलिस को दी है। पुलिस ने गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कर छात्र की तलाश शुरू कर दी है।

बिसरख कोतवाली के मुताबिक फ्यूजन होम्स सोसाइटी निवासी 18 वर्षीय सक्षम जोशी ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी से होटल मैनेजमेंट की पढ़ाई कर रहा है। वह शुक्रवार की सुबह घर से कॉलेज जाने के लिए निकला था, लेकिन इसके बाद वापस घर नहीं लौटा।

परिजनों ने कॉलेज पहुंचकर छात्र के बारे में जानकारी ली तो पता चला है कि वह कॉलेज नहीं पहुंचा था। वह रास्ते से कहीं गायब हुआ है। इसके बाद परिजनों ने मामले की सूचना पुलिस को दी है। पुलिस ने छात्र की गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। बिसरख कोतवाली प्रभारी उमेश बहादुर सिंह ने बताया कि पुलिस की टीम छात्र की तलाश में जुटी है। छात्र के मोबाइल की लोकेशन का भी पता लगाया गया है। मोबाइल के अंतिम लोकेशन दिल्ली मिली है। इसके बाद से छात्र का मोबाइल फोन स्विच ऑफ है। पुलिस सीसीटीवी और सर्विलांस का सहारा ले रही है ताकि छात्र को सकुशल बरामद किया जा सके।

नोएडा से लापता छात्र राजस्थान में मिला

नोएडा। थाना सेक्टर-24 क्षेत्र से लापता हुए एक छात्र को पुलिस ने राजस्थान से सकुशल बरामद कर लिया है। छात्र नोएडा के निठारी गांव से लापता एक युवती के साथ मिला है। युवती के परिजनों ने थाना सेक्टर-20 में उसके लापता होने की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। थाना प्रभारी ने बताया कि सेक्टर-22 से एक किशोर चार दिन पूर्व लापता हो गया था। छात्र के परिजनों ने उसके अपहरण की शिकायत थाना सेक्टर-24 में दर्ज करवाई थी। मामले की जांच कर रही पुलिस ने छात्र को राजस्थान से बरामद किया है। छात्र वहां पर थाना सेक्टर-20 क्षेत्र से लापता युवती के साथ मिला। इस मामले में युवती के परिजनों ने उसके लापता होने की शिकायत दर्ज करवाई थी।

दो छात्राएं संदिग्ध परिस्थितयों में लापता

नोएडा। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर-37 से दो छात्राएं संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। दोनों सगी बहने हैं। पुलिस ने अज्ञात पर अपहरण का केस दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। सेक्टर-37 के अंबेडकर विहार कॉलोनी निवासी 17 वर्षीय छात्रा और 13 वर्षीय उसकी बहन शुक्रवार से अपने घर से लापता है। युवती की मां ने थाने में उनके अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई है। एक छात्रा दसवीं कक्षा में और दूसरी सातवीं कक्षा में पढ़ती हैं।

महिला से मारपीट

नोएडा। सेक्टर-25 स्थित जलवायु विहार सोसाइटी निवासी रूपा ने विश्वजीत बोस नाम के व्यक्ति पर मारपीट और गाली गलौज करने का आरोप लगाया है। उन्होंने आरोपी के खिलाफ सेक्टर-20 थाने में शिकायत दी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

होटल में युवक की रहस्यमय मौत

नोएडा। सेक्टर-116 स्थित होटल में ठहरे दिल्ली निवासी युवक की संदिग्ध अवस्था में शनिवार सुबह मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सेक्टर-113 पुलिस को सूचना मिली थी कि सेक्टर-116 स्थित होटल में युवक की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई है।

पेयजल में क्लोरीन की गुणवत्ता से बीमारियों पर लगी लगाम

ग्रेटर नोएडा, संवाददाता।पीने के पानी में क्लोरीन की सही मात्रा स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद है। पानी में क्लोरीन का कम या ज्यादा होना कई बीमारियों को जन्म देता है। सर्वे के दौरान पाया गया था कि क्लोरीन की कम या ज्यादा मात्रा होने से लोगों को विभिन्न प्रकार की बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है।

इसे देखते हुए जल शक्ति मंत्रालय ने टाटा ट्रस्ट के साथ मिलकर पायलट प्रोजेक्ट के रूप में देश के दस शहरों में आइओटी बेस्ड स्मार्ट वाटर मैनेजमेंट सिस्टम की शुरुआत की है। तकनीक से पानी में क्लोरीन की सही मात्रा की पल-पल जानकारी मिलती है। साथ ही सप्लाई होने वाला पानी यदि लीकेज के कारण बर्बाद होता है तो उसकी सूचना तत्काल मिल जाती है। प्रोजेक्ट की सफलता को देखते हुए सरकार जल्द ही इसे देश के अन्य शहरों में भी

पेट संबंधी बीमारियों का प्रमुख कारण पानी

पानी में विभिन्न प्रकार के बैक्टीरिया होते हैं। पानी के माध्यम से शरीर में प्रवेश करने पर यह विभिन्न प्रकार की बीमारियों को जन्म देते हैं। बैक्टीरिया को मारने के लिए पानी में क्लोरीन की एक निर्धारित मात्रा मिलाई जाती है, लेकिन देखते में आता है कि पानी में अंदाज से ही क्लोरीन मिला दिया जाता है। इस कारण कभी वह ज्यादा तो कभी कम हो जाता है। देश के विभिन्न हिस्सों में लगभग दो वर्ष पूर्व कराए गए सर्वे में सामने आया था कि लोगों में पेट संबंधी बीमारियों का प्रमुख कारण पानी में क्लोरीन की सही मात्रा का न होना है।

क्या है आइओटी तकनीक

आइओटी तकनीक को घरों में सप्लाई होने वाले पानी की टंकी के ऊपर लगाया जाता है। तकनीक पूरी तरह से सेंसर युक्त है। टंकी के पानी में क्लोरीन की मात्रा मापने के लिए मशीन में एक लेवल सेंसर लगा होता है। एक फ्लो मीटर एंड प्रिसोर सेंसर सप्लाई होने वाले पानी के पहले व एक अंतिम छोर पर लगाया जाता है।

पानी लीक होने पर चल जाता है पता

सरकार की गाइड लाइन के अनुसार एक व्यक्ति को प्रतिदिन 55 लीटर पानी की आवश्यकता होती है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत जिस-जिस गांव में तकनीक का प्रयोग किया जाता है वहां की आबादी का सर्वे होता है। उसके अनुरूप पानी की सप्लाई होती है। घरों में जा रही पानी की पाइप में भी वाटर मीटर लगा होता है। सप्लाई होने वाले पानी के पाइप में लगे फ्लो मीटर एंड प्रिसोर सेंसर से पता किया जाता है कि कितना पानी छोड़ा गया और अंतिम छोर तक कितना पहुंचा। यदि अंतिम छोर तक कम पानी पहुंचता है तो लीकेज का पता चल जाता है।

नोएडा व्यूज्

यदि आपको नोएडा व्यूज की प्रतियां नियमित मिलने में परेशानी हो रही है तो कृपया हमें ई-मेल करें या फिर दिए गए नंबर पर ह्वाट्सएप करें। हम शीघ्र ही समय पर पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे। अपना अखबार शुरू करवाने के लिए संपर्क करें-

+91 9810402764, noidaviews2014@gmail.com

नोएडा में शुरू हुआ UP का पहला एंटी स्मॉग टावर

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण के चलते हवा लगातार 'जहरीली' होती जा रही है। इसी के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा में एंटी स्मॉग टावर शुरू किया गया है। इसके शुरू होने से एनसीआर की हवा की गुणवत्ता में सुधार होने की उम्मीद जताई जा रही है। बता दें कि नोएडा में डीएनडी के पास बना एंटी स्मॉग टॉवर अभी तक तकनीकी खराबी की वजह से बंद था।

शिकायत का मंत्री ने लिया संज्ञान

इस संबंध में प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्त नंदी कहा, मुझे जानकारी मिली थी कि एंटी स्मॉग टॉवर काम नहीं कर रहा था। शिकायत मिलने पर मैंने इसका संज्ञान लिया। मैंने नोएडा अथॉरिटी के उच्च अधिकारीयों से बात की और एंटी स्मॉग टॉवर को जल्द से जल्द शुरू करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने बताया कि शुक्रवार देर रात एंटी स्मॉग टॉवर ने काम करना शुरू कर दिया है। यह अभी तक कुछ तकनीकी खराबी की वजह से काम नहीं कर रहा था। लोगों को प्रदूषण से बचाने के लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि नोएडा के सेक्टर-16 स्थित फिल्म सिटी के पास एक साल पहले प्रदेश का पहला प्रोटोटाइप वायु प्रदूषण नियंत्रण टावर लगाया गया। ये टावर एक वर्ग किमी के दायरे की हवा को प्रदूषण मुक्त करेगा।

प्रदूषण बढ़ने से 12 बड़ी परियोजनाएं बंद, काम अटके

नोएडा। शहर में प्रदूषण बढ़ने से सभी निर्माण कार्यों पर रोक लगने से नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे की मरम्मत, एक्सप्रेसवे पर बन रहे दो अंडरपास, एलिवेटेड रोड समेत 12 बड़ी परियोजनाओं का काम बंद हो गया है। इनका काम पहले से ही तय समय से देरी से चल रहा है। ऐसे में अब इन सुविधाओं का फायदा लेने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ेगा।

नोएडा में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। अब सांस लेना भी मुश्किल हो गया है। बढ़ते प्रदूषण के लिए परियोजनाओं के निर्माण के दौरान उड़ने वाले धूल भी अहम कारण मानी जाती है। ऐसे में प्रदूषण स्तर के हिसाब से निर्माण कार्यों पर पाबंदी का नियम पहले से ही जिसको अब लागू कर दिया गया है। बड़ी महत्वपूर्ण परियोजनाओं जैसे एयरपोर्ट, मेट्रो आदि को छोड़कर सभी तरह के निर्माण कार्यों पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। ग्रेटर नोएडा एरिया में एयरपोर्ट का निर्माण चल रहा है, लेकिन नोएडा एरिया में न तो

एयरपोर्ट और न ही मेट्रो का काम चल रहा है।

ये काम अटके

शहर में नोएडा प्राधिकरण की करीब एक दर्जन बड़ी परियोजनाओं का काम चल रहा है, जिसमें नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे की मरम्मत, सेक्टर-142 एडवेंट अंडरपास, सेक्टर-96 अंडरपास, डीएससी रोड पर बन रहे एलिवेटेड रोड, पर्थला गोलचक्कर पर फ्लाईओवर, सेक्टर-78 वेदवन पार्क, एमपी वन, डीएससी रोड और रोड नंबर-6 को सिग्नल फ्री किया जाने के अलावा शहर में जगह-जगह चल रही सड़कों की मरम्मत के काम भी बंद कर दिए गए हैं।

पहले भी काम भी काम बंद हुए

जिन परियोजनाओं के काम पर अब ब्रेक लगा है, वे परियोजनाएं पहले से ही डेढ़ साल से छह महीने तक देरी से चल रही हैं। अब कितनी और देरी होगी, अधिकारियों को भी इसका अंदाजा नहीं है। गौरतलब है कि वर्ष 2020 में भी प्रदूषण की वजह से करीब ढाई महीने काम बंद रहा था। वर्ष 2021 में भी कुछ दिन तक निर्माण कार्य बंद रहे थे।

एक दर्जन बड़ी परियोजनाओं के निर्माण कार्यों को बंद कर दिया गया है। आगे जैसी भी प्रदूषण की स्थिति होगी, उसी हिसाब से काम किया जाएगा। आगे एनजीटी के आदेशों के तहत काम किया जाएगा।

> अविनाश त्रिपाठी,ओएसडी, नोएडा प्राधिकरण

महत्वपूर्ण परियोजनाएं

1-नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे की मरम्मत अभी तक डेढ़ साल देरी

एक्सप्रेसवे की मरम्मत का काम जनवरी 2021 में शुरू हुआ था। यह काम 2 जून 2021 तक पूरा हो जाना चाहिए था लेकिन अभी तक अधूरा है। करीब 14 किलोमीटर की मरम्मत का काम बचा हुआ है। पिछले महीने प्राधिकरण ने काम पूरा करने के लिए अंतिम डेडलाइन 30 नवंबर दे रखी है।

2-एक्सप्रेसवे पर दो अंडरपास

-अभी तक पांच से सात महीने की देरी एक्सप्रेस वे पर सेक्टर-96 और 142 के सामने अंडरपास बन रहे हैं। इनमें से सेक्टर-142 अंडरपास अप्रैल और 96 अंडरपास जून तक बनना था, लेकिन अभी काम चलता रहता तो 142 वाले अंडरपास का काम पूरा होने में तीन महीने और 96 अंडरपास का काम पूरा होने में छह महीने लगेंगे, लेकिन प्रदूषण के कारण काम बंद रहने का असर अलग से होगा।

3-पर्थला फ्लाईओवर अभी तक नौ महीने की देरी

पर्थला गोलचक्कर पर फ्लाईओवर के रूप में सिग्नेचर ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने काम शुरू होने पर फरवरी 2022 तक काम पूरा किए जाने का दावा किया था। डेडलाइन से करीब नौ महीने देरी से चल रहा है।

आबकारी विभाग ने सेल्समैन को पकड़ा

नोएडा। थाना सेक्टर-113 क्षेत्र के सोरखा गांव स्थित देसी शराब के ठेके पर तय मूल्य से ज्यादा रुपये लेकर शराब बेच रहे सेल्समैन को आबकारी विभाग ने पकड़ा है। आबकारी विभाग ने उसके खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है।

आबकारी विभाग को शुक्रवार रात को सूचना मिली थी कि सोरखा गांव स्थित देसी शराब के ठेके पर काम करने वाला सेल्समैन बोतल पर प्रिंट एमआरपी से ज्यादा रुपये लेकर शराब बेच रहा है।

सूचना के आधार पर आबकारी इंस्पेक्टर मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। यहां पर सेल्समैन ज्यादा पैसे लेकर लोगों को शराब की बोतल बेच रहा था। उन्होंने सेल्समैन राजेश को पकड़कर थाना सेक्टर-113 पुलिस को

मोबाइल टावर से उपकरण चोरी

नोएडा। चोरों ने सेक्टर-34 स्थित उदयगिरी अपार्टमेंट के समीप स्थित एक मोबाइल टावर से उपकरण चोरी कर लिए। कंपनी के मोबाइल टावर की देखरेख करने वाले पवन कुमार ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया है। चोरों ने टावर के केबिन में लगे कार्ड और अन्य उपकरण चोरी किए गए हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कंपनी के अधिकारी पर किया जानलेवा हमला

नोएडा। कुछ दबंगों ने सेक्टर-62 स्थित रेल विहार हाउसिंग सोसाइटी में शुक्रवार रात को एक कंपनी के अधिकारी पर जानलेवा हमला कर दिया। पीड़ित को घायल अवस्था में छोड़कर बदमाश लाल बत्ती की गाड़ी में बैठकर फरार हो गए। इस संबंध में सेक्टर-58 थाने में केस दर्ज किया गया है। सेक्टर-62 स्थित रेल विहार हाउसिंग सोसाइटी में एक नामी कंपनी के अधिकारी रहते हैं। रात करीब 12 बजे वह सोसाइटी आ रहे थे। जब वह सोसाइटी के मेन गेट पर पहुंचे तो यहां कुछ लोग सुरक्षाकर्मियों से झगड़ा कर रहे थे। इस पर अधिकारी ने उन लोगों से झगड़ा न करने के लिए कहा। इस पर दबंगों ने अधिकारी पर हमला कर दिया। आरोपियों ने पीड़ित की जमकर पिटाई की। इससे उनके हाथ और शरीर के कई हिस्सों में चोट आई है। पीड़ित को घायल अवस्था में छोड़कर बदमाश लाल बत्ती की कार में सवार होकर फरार हो गए। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। प्राथमिक जांच में सामने आया कि पीड़ित और आरोपी एक सोसाइटी में ही रहते हैं। वह बिना एंट्री करे सोसाइटी में घुस रहे थे। इसको लेकर सुरक्षाकर्मी ने विरोध कर दिया। इस पर आरोपियों ने सुरक्षाकर्मी से बहस शुरु कर दी। जब पीड़ित बीच-बचाव करने पहुंचे तो उनके साथ मारपीट की।

बैंक खाते की केवाईसी अपडेट कराने के बहाने महिला से ठगी

नोएडा। साइबर जालसाज ने महिला को बैंक खाते की केवाईसी अपडेट करने का झांसा देकर उनसे 40,156 रुपये ऐंठ लिए। आरोपी ने पीड़िता के मोबाइल पर एक ऐप डाउनलोड कराकर जालसाजी की। इस संबंध में महिला ने सेक्टर-20 थाने में केस दर्ज कराया है। सेक्टर-29 निवासी प्रीति कश्यप ने पुलिस को शिकायत दी है कि उनके मोबाइल पर एक नंबर से मैसेज आया कि उनके बैंक खाते की केवाईसी अपडेट होनी है। ऐसा न करने पर खाता बंद कर दिया जाएगा। मैसेज देखने के बाद महिला ने उस पर दिए नंबर पर कॉल की। कॉल रिसीव करने वाले ने खुद को बैंक का कर्मचारी बताया। उसने कहा कि उन्हें ऑनलाइन केवाईसी अपडेट करानी होगी।ऐप डाउनलोड करने के बाद केवाईसी हो जाएगी।

ढाई हजार से अधिक ऑटो की प्रदूषण जांच नहीं हुई

नोएडा, संवाददाता।

जिले में पंजीकृत ढाई हजार से अधिक ऑटो की प्रदूषण जांच नहीं हुई है। यह हालत तब है जब प्रदूषण अपने चरम पर है। वहीं परिवहन विभाग का अभियान खानापूर्ति तक सिमट कर रह गया है। परिवहन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 4109 ऑटो की फिटनेस खत्म है।

इसके अलावा 2618 ऑटो की प्रदूषण जांच नहीं हुई है। इन ऑटो की प्रदूषण जांच हुए छह माह से अधिक समय बीत गया है। परिवहन विभाग इस संभावना से भी इंकार नहीं कर रहा है कि बिना प्रदूषण जांच इनमें से कई ऑटो सड़क पर दौड़ रहे होंगे।

एआरटीओ प्रशासन सियाराम वर्मा ने कहा कि जिले में 18634 ऑटो पंजीकृत हैं। इनमें से 1362 ऑटो के परिमट का नवीनीकरण नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि ऑटो मालिकों को फिटनेस, परिमट और प्रदूषण जांच कराने के लिए नोटिस भेजा गया है।

यदि इन दस्तावेजों को दुरुस्त नहीं कराएंगे तो ऑटो के चालान और जब्त करने की कार्रवाई होगी। एआरटीओ प्रवर्तन दीपक कुमार शाह ने कहा कि बिना परिमट, फिटनेस और प्रदूषण जांच के दौड़ने वाले ऑटो के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाती है।

बिना प्रदूषण जांच पकड़े जाने पर दस हजार रुपये का जुर्माना किया जाता है। उन्होंने कहा कि लोग अपने वाहन की प्रदूषण जांच तत्काल करा लें। अन्यथा पकड़े जाने पर जुर्माना लगा दिया जाएगा। अब वाहन चालकों में खलबली मची है।

ठगी तीन आरोपियों के खिलाफ फेज तीन थाने में केस दर्ज

ऑर्गेनिक फार्मिंग के नाम पर कारोबारी से 3.35 लाख ढगे

नोएडा, संवाददाता।

साइबर ठगों ने एक कारोबारी और उनकी पत्नी से 3 लाख 35 हजार रूपये की ठगी कर ली। जालसाजों ने ऑर्गेनिक फार्मिंग में निवेश करने का झांसा देकर वारदात को अंजाम दिया। इसको लेकर पीड़ित ने तीन आरोपियों के खिलाफ फेज तीन थाने में केस दर्ज कराया है।

पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर 71 स्थित साईं अपार्टमेंट निवासी उमेश पुरी ने बताया कि उनका ऑर्गेनिक फार्मिंग का व्यवसाय है, जबिक उनकी पत्नी सेक्टर-62 में एक निजी स्कूल चलाती हैं।

पीड़ित ने बताया कि जालसाजों ने कुछ दिन पहले उनकी पत्नी के मोबाइल पर कॉल की थी। आरोपी ने खुद को फिशरीज बोर्ड में अधिकारी बताया। उसने पीड़ित की पत्नी से कहा कि एक योजना आई है। इसके तहत केन्द्र सरकार सजावटी मछिलयों के उत्पादन पर भारी सिब्सडी दे रही है। आरोपियों की बात सुनने के बाद कारोबारी की पत्नी ने उनके झांसे में आ गई।

उन्होंने आरोपियों द्वारा बताए गए बैंक खाते में 2.75 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। फिर आरोपी उनकी जमीन पर फॉर्म लगाने का झांसा देते रहे। इसके कुछ दिन बाद ही आरोपियों ने अपने नंबर बंद दिए।

कारोबारी को ऑर्गेनिक सब्जियों के नाम पर ठगा

दूसरी तरफ एक व्यक्ति कारोबारी उमेश के पास ऑर्गेनिक सब्जियों के फोटो भेज रहा था। इस पर उमेश ने संबंधित नंबर पर बात की। कॉल रिसीव करने वाले ने खुद को ऑर्गेनिक खेती करने वाला बताया। उसने कारोबारी को झांसा दिया कि वह उनके साथ काम करना चाहता है। उमेश ने उसे 10 हजार रुपये की सब्जी का ऑर्डर दिया दे दिया। इसी बीच पीड़ित ने एक निजी कंपनी से लाखों रुपये की ऑर्गीनक सब्जियों का ऑर्डर ले लिया। सब्जियां कम होने पर उमेश ने संबंधित व्यक्ति को ऑर्डर दे दिया और 50 हजार रुपये उसके बताए खाते में ट्रांसफर कर दिए।

आरोप है कि पैसे लेने के बाद आरोपी ने भी अपना मोबाइल नंबर बंद कर दिया। इसके बाद पुलिस को शिकायत दी। प्राथमिक जांच के दौरान सामने आया कि पीड़ित से ठगे गए पैसे मथुरा के लक्ष्मीनगर निवासी कृष्ण कुमार सारस्वत के खाते में ट्रांसफर किए गए हैं। इसके अलावा मनोज चौहान और संजय नाम का व्यक्ति भी ठगी में शामिल है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

टूरिस्ट प्लॉन का रिफंड देने का झांसा देकर महिला से 2.90 लाख ठगे

जैसे ही उन्होंने लिंक पर क्लिक किया तो उनके खाते से दो लाख 90 हजार रुपये निकल गए। मोबाइल पर मैसेज आने के बाद ठगी का पता चला।

नोएडा, संवाददाता।

साइबर अपराधी ने महिला के टूरिस्ट प्लॉन का रिफंड देने का झांसा देकर उनसे 2.90 लाख रुपये की ठगी कर ली। जालसाज ने महिला के मोबाइल पर लिंक भेजकर वारदात को अंजाम दिया। इस संबंध में पीड़िता ने सेक्टर-24 थाने में केस दर्ज कराया है।

पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर-52 निवासी सुमेधा ने बताया कि उन्होंने कुछ समय पहले एक ऐप से अपना टूरिस्ट प्लान बुक करवाया था। उन्होंने प्लान के हिसाब से कुछ पैसे ज्यादा जमा कर दिए।

इस पर उन्होंने पैसे रिफंड लेने के लिए संबंधित ऐप का नंबर सर्च किया। उन्होंने इंटरनेट से एक नंबर लेकर उस पर कॉल की। कॉल रिसीव करने वाले ने खुद को ऐप का कर्मचारी बताया। उसने कहा कि वह उनका रिफंड दिला देगा।

इसके लिए वह उनके मोबाइल पर एक लिंक भेज रहा है। इस पर क्लिक करने के बाद रिफंड की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। उसने उनके मोबाइल पर लिंक भेज दिया।

जैसे ही उन्होंने लिंक पर क्लिक किया तो उनके खाते से दो लाख 90 हजार रुपये निकल गए। मोबाइल पर मैसेज आने के बाद ठगी का पता चला। फिर पुलिस को मामले की शिकायत दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।



सौंदर्या ने बिग बॉस' पर लगाया बड़ा इल्जाम

रिलटी शो 'बिग बॉस' में इन दिनों काफी बवाल मचा हुआ है। इस शो में कई प्रेम कहानियां देखने को मिल रही है और ये प्रेम कहानी जन्म ले रही है सौंदर्या शर्मा और गौतम विज के बीच। लेकिन इन दिनों शो में गौतम विज और सौंदर्या शर्मा की प्रेम कहानी कंटेस्टेंट्स के साथ-साथ बिग बॉस के भी निशाने पर बनी हुई है। बीते दिन शो में सौंदर्या शर्मा और गौतम विज की प्रेम कहानी को कठघरे में खड़ा किया गया, जहां किसी ने उनकी प्रेम कहानी को फेक बताया तो वहीं किसी ने उनका साथ दिया। इन सबके बीच बिग बॉस का रवैया देख खुद सौंदर्या शर्मा भी खुश नहीं नजर आईं और उन्होंने बिग बॉस पर पक्षपाती होने का इल्जाम

हाल ही में, 'बिग बॉस 16' में दिखाया गया कि घर में अदालत लगाई गई, जिसमें गौतम विज पर इल्जाम लगा कि वह फुटेज पाने के लिए शालीन भानोट के साथ दोस्ती रख रहे हैं। इस दौरान जज जहां टीना दत्ता और प्रियंका चाहर चौधरी को बनाया गया तो वहीं वकील निमृत कौर आहलुवालिया रहीं। इस अदालत में निमृत, टीना और शालीन ने गौतम पर कई गंभीर आरोप लगाए। वहीं बिग बॉस ने इस राउंड में जीत निमृत को दिलाई, जिससे सौंदर्या शर्मा और गौतम विज खुश नहीं दिखे। इस खेल के बीच ही सौंदर्या शर्मा बोल पड़ीं, 'मुझे कभी-कभी लगता है कि बिग बॉस पक्षपाती हैं। उन्होंने जानबुझकर टीना को जज रखा।'



जाह्नवी कपूर का बनारसी साड़ी में दिखा नया अवतार

विवुड एक्ट्रेस जाहनवी कपूर ने बहुत कम वक्त में ही दर्शकों के दिलों में और

ा इंडस्ट्री में एक खास जगह बना ली है। उनका करियर इन दिनों सातवें आसमान पर है। जाहनवी आजकल फैंस के साथ मेकर्स की भी पहली पसंद बन गई हैं। ऐसे में आज वह किसी भी पहचान की मोहताज नहीं रह गई हैं। अपनी फिल्मों के अलावा जाहनवी ने लुक्स से भी सभी को दिल जीता है।

उन्हें हर अंदाज में लोगों ने खुब प्यार दिया है। जाहनवी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'मिली' को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि फिल्म रिलीज से पहले एक्ट्रेस अपने फोटोशूट्स के कारण सुर्खियां बटोर रही हैं। लगभग हर दिन फैंस को उनका नया अवतार देखने को मिल जाता है। अब फिर से जाहनवी ने कातिलाना अदाएं दिखाई हैं। लोगों के लिए उनकी अदाओं से नजरें हटाना मुश्किल हो गया है। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में जाहनवी को ब्लू कलर की बनारसी साड़ी पहने देखा जा सकता है। इसके साथ उन्होंने मैचिंग ब्लाउज पेयर

किया है। बालों में गजरा, माथे में बिंदी और कानों में बड़े झुमकों के साथ जाहनवी बला की खूबसूरत लग रही हैं। उनकी अदाएं किसी को भी मदहोश करने के लिए काफी हैं। यहां वह कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज देती दिखाई दे रही हैं। जाहनवी की अदाएं देखकर फैंस भी उनकी फोटोज को लाइक कर रहे हैं।

सर्विश्वाक्षा अभियान

ईएमसीटी की ज्ञानशाला में शिक्षा को सुगम व सरल बनाने के लिए किए जा रहे है हर सम्भव

ग्रेटर नोएडा। कपिल कुमार

ईएमसीटी (एथोमार्ट चेरिटबल ट्रस्ट) ज्ञानशाला में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिये लगातार प्रयास किए जा रहे है और बच्चो को हर संभव तरीक़े से शिक्षा को सरल और सुगम बनाया जा रहा है।

ईएमसीटी ज्ञान शाला की एजुकेशन प्रोग्राम मैनेजर सरिता सिंह और अध्यापिका सरिता सिंह ने बताया कि हमने अपनी कक्षाओं को दो भागो में बाटा है जिसमे एक ग्रुप में तीन साल से छह साल तक के बच्चे पढ़ते है और दूसरे ग्रुप में छह साल से बड़े बच्चो को पढ़ाया जाता है हमारी ज्ञान शाला बच्चों में काफ़ी सुधार है और यह बच्चे हर दिन कुछ नया सीखते है।

बच्चों को उनकी आयु के हिसाब से ही हम

इंफोनेटिव-22

आयोजन

कार्यक्रम का हुआ

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा स्थित केसीसी

इंस्टीट्यूट में शुक्रवार को इंफोनेटिव

श्रृंखला की चौथी सीरीज का आयोजन

हुआ। जागरूकता सप्ताह के उपलक्ष्य में

आयोजित होने वाली इस श्रृंखला के तहत

अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कई संस्थानों के प्रतिभागियों ने बढ़-

चढ़कर हिस्सा लिया। इंफोनेटिव-22

'सोलो डांस-गेट सेट डांस', मोनो एक्ट-

एकला अभिनय, 'सोलो सिंगिंग- मौसिकी'

'पोएट्री राइटिंग-कलाकार' 'ट्रेजर हंट- बूझो

एक पहेली', 'गेमिंग- चलो खेलें',

'एडवर्टीजमेंट जिंगल मेकिंग-ऐड दरबार'

जीके क्विज-एकदम सटीक', 'आरजे हंट-

नॉन स्टॉप बकबक', 'द बैटल ऑफ बैंड्स-

साउंड ट्रिप' जैसी स्पर्धाएं शामिल हैं।



प्लानर बना कर पढ़ाते है ज्ञानशाला के क़रीब 100 बच्चों के मौखिक और लिखित शैलियों पर ध्यान दिया जाता है, साथ ही बच्चो को पौष्टिक फ्रूट या जूस भी दिया जाता है।

संस्था की संस्थापक रश्मि पाण्डेय ने बताया की बड़े बच्चो की स्किल को मज़बूत करने के लिए हमने बच्चो को कौशल कला की कई हस्तशिल्प की वस्तुयें बनाना भी सिखायी है यह कार्य बच्चे शनिवार के दिन आर्ट एंड क्राफ्ट की कक्षा के दौरान सीखते है, ताकि बच्चे पढ़ायी के साथ साथ बड़े होकर आत्मनिर्भर भी बन सके।

एक दिन में 13 मरीजों में डेंगू की पुष्टि, लार्वा मिलने पर 5 को नोटिस

दवा का खिड़काव करा रहे हैं व मलेरिया व डेंगू से बचाव को जागरूकता ला रहे हैं।

नोएडा। जिले में डेंगू के मरीजों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। 13 नए मरीजों में डेंगू की पुष्टि हुई है। अलग अलग अस्पताल में इनका इलाज चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग की और से बनाई गई सेंटिनल लैब में इनकी जांच की गई है। अब तक 138 मरीजों में डेंगू की पुष्टि

निजी अस्पताल से आने वाले डेंगू के संदिग्ध सैंपल की जांच जिला अस्पताल और चाइल्ड पीजीआई में बनाई गई लैब में की जा रही है। मलेरिया विभाग की टीम ने शनिवार को बरौला गांव में 85 घरों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पांच घरों में मच्छरों का लार्वा मिलने पर मकान मालिक को नोटिस जारी किया गया है। विभाग की ओर से इन जगह फागिंग और एंटी लार्वा का छिड़काव कराया जाएगा।

डेंगू से बचाव के लिए **जागरू**कता

जिला मलेरिया अधिकारी राजेश शर्मा का कहना है कि मच्छर का लार्वा मिलने पर संचारी रोग नियंत्रण अभियान के दौरान टीमों ने पहले से भरे पानी के ऊपर मच्छर का लार्वा मिलने पर पांच परिवारों को नोटिस थमाया है। लोगों को साफ सफाई रखने और गंदगी न फैलाने के लिए प्रेरित किया है। अपने स्तर से दवा का छिड़काव करा रहे हैं व मलेरिया व डेंगू से बचाव को जागरूकता ला रहे हैं।

मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के लिए जरूरी है कि किसी झोलाछाप से इलाज न कराएं। रात को सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें। आसपास पानी का जमाव और गंदगी न होने दें। लक्षण दिखने पर सरकारी अस्पतालों की पैथोलाजी लैब में खून की जांच कराएं। बुखार आने पर चिकित्सक को बताएं और उसी के अनुसार दवा लें। डेंगू की रोकथाम के लिए रोस्टर के अनुसार प्रतिदिन फागिंग और एंटी लार्वा का छिड़काव हो रहा

पति पर लगाया दहेज उत्पीड़न का आरोप

नोएडा। सेक्टर-47 निवासी डॉ. प्रियंका चौधरी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके पति सचिन चौधरी, ससुर डॉ. धीरज सिंह सहित ससुराल पक्ष के अन्य लोग दहेज की मांग को लेकर उसके साथ मारपीट करते हैं। सेक्टर-49 थाना पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर उसके पति और ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ मारपीट और दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवती ने आत्महत्या का

नोएडा। थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के बरौला गांव निवासी 19 वर्षीय एक युवती ने शुक्रवार रात को जहरीला पदार्थ खा लिया था। अत्यंत गंभीर हालत में उसके परिजनों ने उपचार के लिए उसे सेक्टर-50 स्थित निजी अस्पताल में भर्ती करवाया है। अस्पताल से सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस युवती के परिजनों से पूछताछ कर रही है। अभी तक आत्महत्या प्रयास के कारण का पता नहीं चल सका है। पुलिस अपने स्तर पर मामले की जांच कर रही है।

घरेलू सहायिका घर से गहने लेकर भागी

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर-137 स्थित पूर्वांचल रॉयल पार्क सोसाइटी में 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला की देखभाल के लिए रखी गई घरेलू सहायिका घर से गहने लेकर भाग गई। उसने `बैंक अकाउंट से 18 बार में 7.80 लाख रुपये भी निकाल लिए। वृद्धा की बेटी ने आरोपी सहायिका के खिलाफ सेक्टर-142 थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। पूर्वांचल रॉयल पार्क सोसाइटी निवासी गीतिका दयाल ने पुलिस को बताया कि उन्होंने अपनी बुजुर्ग मां की देखभाल के लिए एक एजेंसी के जरिए सहायिका ममता को घर में रखा था। दीपावली पर ममता छुट्टी लेकर अपने घर जाने की बात कहकर निकली थी, लेकिन वह वापस नहीं लौटी।गीतिका को शक हुआ तो उन्होंने घर का सामान देखा तो पता चला कि अलमारी में रखे गहने गायब थे।

प्रदूषण पंजाब सरकार पर लगाया लापरवाही का आरोप

योगी के मंत्री ने मेट्रो में सफर कर प्रदूषण का लिया जायजा

नोएडा, संवाददाता। वन पर्यावरण जंतु विज्ञान व जलवायु परिवर्तन के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार डा. अरुण कुमार ने नोएडा के सेक्टर- 38 में प्रेसवार्ता करते हुए कहा कि पंजाब में पराली जलने से उत्तर प्रदेश के जिलों में प्रदूषण बढ़ रहा है। पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार की लापरवाही से पराली जलाने के मामले बढ़े है।

बढ़ते प्रदूषण पर पंजाब सरकार को लिखीं चिट्ठी

उन्होंने कहा कि पराली कहीं जलाई जा रही है। प्रदूषण कहीं पर बढ़ रहा है। एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण पर पंजाब सरकार को चिट्ठी लिखी है। एनसीआर में प्रदूषण कम करने के लिए विभिन्न प्रयास यूपी सरकार कर रही है। उत्तर प्रदेश में पराली जलाने के मामले बहुत कम सामने आए है। निर्माण कार्य पर रोक



लगाई जा चुकी है। ग्रेप का चौथा चरण भी सख्ती से लागू है। प्रदूषण नियंत्रण के लिए उन्होंने अधिकारियों को सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

मेट्रो में सफर कर लिया प्रदूषण

इस दौरान वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ अरुण कुमार ने सेक्टर 38 स्थित गोल्फ कोर्स मेट्रो स्टेशन से मेट्रो में बैठकर सेक्टर 63 इलेक्ट्रॉनिक सिटी पहुंचे। उन्होंने मेट्रो में सफर कर शहर में बढ़ रहे प्रदूषण के कारणों का जायजा लिया। उनका कहना है ज्यादा से ज्यादा लोग मेट्टो का प्रयोग करें जिससे बढ़ रहे प्रदूषण को बढ़ने से रोका जा सके। इस दौरान उन्होंने मेट्रो स्टेशन के बाहर युवतियों से बातचीत कर प्रदूषण कम करने के लिए मेट्रो में सफर करने की अपील की।

एलिवेटेड रोड पर कार पर डांस करते युवकों का वीडियो वायरल

थाना पुलिस युवकों की तलाहा में जुटी है

सेक्टर- 24 थाना पुलिस मामले की जांच करने के आदेश दिए हैं । पुलिस एलिवेटेड रोड पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की मदद से युवकों का पता लगा रही है i

नोएडा, संवाददाता।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है। इस वीडियो में कुछ युवक कार की छत पर चढ़कर डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। उन्होंने तेज आवाज में गाने चला रखे हैं। पुलिस ने वीडियो देखने के बाद युवकों की तलाश शुरू कर दी है।

ट्विटर सहित अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक वीडियो शुक्रवार को वायरल हो गया। वायरल वीडियो में नजर आ रहा है कि कुछ युवक तेज आवाज में म्यूजिक चलाकर कार की छत पर चढ़कर डांस कर रहे

यह वीडियो इस्कॉन मंदिर के पास एलिवेटेड रोड का बताया जा रहा है। एक युवक ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। वीडियो देखने के बाद कई यूजर्स ने युवकों के खिलाफ कार्रवाई करने की

पुलिस मुख्यालय की तरफ से सेक्टर- 24 थाना पुलिस मामले की जांच करने के आदेश दिए हैं। पुलिस एलिवेटेड रोड पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की मदद से युवकों का पता लगा रही है।